जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 138
दिनांक 25.08.2023

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना सोयाबीन की सेन्ट्रल जोन की पंचवर्षीय समीक्षा बैठक

जनेकृविवि द्वारा विकसित सोयाबीन किस्में सम्पूर्ण राष्ट्र में 75 प्रतिशत भाग में होती है खेती

जनेकृविवि को सोयाबीन की 19 किस्मों को विकसित करने का गौरव प्राप्त

जबलपुर 25 अगस्त, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के आईएबीएम के सभागार में 2 दिवसीय क्यू.आर.टी. समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पंचवर्षीय सोयाबीन अनुसंधान की समीक्षा बैठक के मुख्यअतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश सोयाबीन राज्य के रूप में ख्याति प्राप्त है एवं विश्वविद्यालय में सोयाबीन के शोध पर विशेष कार्य किये गये हैं। सेन्ट्रल जोन के अंतर्गत यह क्यू.आर.टी. में सोयाबीन के उत्पादकता, नवीनतम किस्मों एवं अन्य नवाचार हेतु भविष्य की कार्ययोजना पर मंथन किया जा रहा है।

समीक्षा बैठक की शुरूआत में संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि पूरे भारत में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई सोयाबीन की किस्मों ने अपना एक विशेष स्थान प्राप्त किया है। परिणाम स्वरुप मध्य प्रदेश को पूरे भारत में सोयाबीन राज्य के रूप में ख्याति प्राप्त है।

क्यू.आर.टी. के चेयरमेन डॉ. एस.राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति जी.के.वि.के., बैंगलोर ने अपने उद्बोधन में कहा कि जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के सोयाबीन वैज्ञानिकों द्वारा बेहतरीन कार्य किया गया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए आपने कहा कि भविष्य में सोयाबीन के क्षेत्र में कीट–व्याधियों की जो समस्याएं हैं, इन पर विशेष रूप से कार्य करने आवश्यकता है।

आईसीएआर–आईआईएसआर के निदेशक डॉ. के.एच. सिंह ने सोयाबीन प्रजनक वैज्ञानिकों से आवाहन किया है, कि आगामी समय में जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखकर नवीनतम सोयाबीन की किस्म का क्षेत्र में किसानों के मध्य पहुंचाने हेतु बेहतर बीज उत्पादन पर जोर दिया है।

इस पांच वर्षीय (क्यू.आर.टी.) मीटिंग में सेंट्रल जोन के अमरावती, कोटा, परभनी जबलपुर, सीहोर, मुरैना केन्द्रों के प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा पॉवर पॉइंट प्रदर्शन के माध्यम से जानकारी दी एवं सोयाबीन के क्षेत्र में किये गये शोध पर मंथन व चर्चा की गई।

उद्घाटन सत्र में मुख्यअतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रमोद कुमार मिश्रा, अध्यक्ष डॉ. एस. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति जी.के.वी.के., बैंगलोर, डॉ. के.एच. सिंह निदेशक–आईसीएआर, इंदौर एवं सदस्य डॉ.ओ.पी.शर्मा,नई दिल्ली, डॉ. संदीप सारन बरेली (यू.पी.), डॉ. एम.ए. शंकर बैंगलोर एवं डॉ. संजय गुप्ता इंदौर को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष गुप्ता, वैज्ञानिक एवं आभार प्रदर्शन डॉ. संजय गुप्ता द्वारा किया गया।

इस दो दिवसीय क्यू.आर.टी. मीटिंग में संचालक प्रक्षेत्र डॉ. आर.एस. शुक्ला, प्रभारी एआईसीआरपी आन सोयाबीन डॉ. एम.के.श्रीवास्तव, डॉ. अनिता बब्बर डॉ. पवन अर्मृते, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ.विकास गुप्ता, डॉ. संजय सिंह, डॉ. शिवराम कृष्णन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल की उपस्थिति रही।

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

बैठक का उद्देश्य...

बैठक में सोयाबीन अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य की समस्याओं व समाधान विषय पर रणनीति तैयार की जाएगी। ताकि सोयाबीन फसल में कृषकों को समस्याओं का कम से कम सामना करना पड़े। साथ ही सोयाबीन खेती के प्रति कृषकों में रुझान बड़े इस दिशा में कार्य करने की अति आवश्यकता है, जलवायु परिवर्तन, अति वर्षा, क्षेत्र विशेष की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करना है, ताकि कृषक सोयाबीन फसल की खेती से अधिक से अधिक लाभ प्राप्ति के साथ उत्तरोत्तर उन्नति कर सकें।

विशेष....

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की सोयाबीन के प्रमुख वैज्ञानिक एवं एआईसीआरपी ऑन सोयाबीन के परियोजना प्रभारी डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने अपने पॉवर पॉइंट प्रदर्शन के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में पूरे राष्ट्र में 75 प्रतिशत भाग में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सोयाबीन किस्मों से खेती की जा रही है। अब तक सोयाबीन की 19 किस्मों को विकसित करने का गौरव जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय को प्राप्त है। भविष्य में कम समय, कम से कम कीट एवं व्याधियों की समस्या एवं अधिक उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने हेतु शोध पर जोर दिया जायेगा।